ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 14 अंक -22 फरवरी -II , 2014 पाक्षिक माउण्ट आबू मूल्य - 7.50

विश्व शान्ति दिवस के रूप में मनाया 18 जनवरी का दिन

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने ब्रह्मा बाबा की पुण्यतिथि पर किया मेडिटेशन का आयोजन

माउण्ट आबू। मधुबन में 18 जनवरी के अवसर पर आए हुए आगंतुकों को सम्बोधित करते हुए दादी जानकी ने कहा, त्याग का जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। त्याग की नींव पर ही ऊँची

तकदीर का निर्माण होता है। ब्रह्मा बाबा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए दादी ने कहा कि उनका जीवन बहुत ही असाधारण था। उनके जीवन में सादगी, सहजता और सरलता झलकती थी। बाबा हमेशा हर एक को सत्कार और सम्मान देकर आगे बढ़ाते हुए सबका

तपस्या स्थली बाबा के कमरे पर लोग जाते हुए।

भाग्य बनाते थे, यह हमने देखा। ब्रह्मा बाबा के जीवन में शान्ति एवं दिव्यता दिखाई देती थी। वे हर एक को उनकी विशेषता के आधार पर ऊँचा उठाते थे और सभी को विश्व परिवर्तन के कार्य में उत्साहित करते थे। इतना सब करते भी अपने निजी पुरुषार्थ के प्रति जागती ज्योत रहे। आगे दादी ने कहा कि उनकी पुण्य तिथि के अवसर पर हम परमात्मा के कार्य को करके ही छोड़ेंगे ऐसा सोचकर मनाना है। इस अवसर पर ब्र.कु. रमेश शाह, मल्टी मीडिया के अ ा ध ा क्ष ा ब्र.कु.करुणा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बाद में सभी ने शान्ति स्तम्भ पर अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए एवं विश्व शान्ति के लिए मेडिटेशन किया। 137 देशों में भी संस्थान के सर्व सेवा-स्थानों पर राजयोग मेडिटेशन के प्रोग्रामों का आयोजन किया गया और सारा दिन सभी ने भाग लेकर इसे विश्व शान्ति दिवस के रूप में मनाया। न्यू यॉर्क, लॉस एन्जिलिस, शिकागो, इटली, स्पेन के रिट्रीट सेंटरों पर सुबह से शाम तक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ओवरसीज़ हेडक्वार्टर लंदन में भी शान्ति दिवस का आयोजन कर प्रकंपन फैलाए गए। जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, हाँग-काँग, थाईलैंड, मलेशिया, न्यू ज़ीलैंड, मैक्सिको, चिली, नायरोबी, श्रीलंका, नेपाल सहित भारत में मुख्यत: ओ.आर.सी., दिल्ली पाण्डव भवन में भी राजयोग मेडिटेशन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हैदराबाद शान्ति-सरोवर में भी सभी ने सुबह से ही परमात्मा की याद में कार्यक्रम का आयोजन किया। देश के अन्य सभी छोटे-बड़े स्थानों पर भी कार्यक्रम रखे गए।

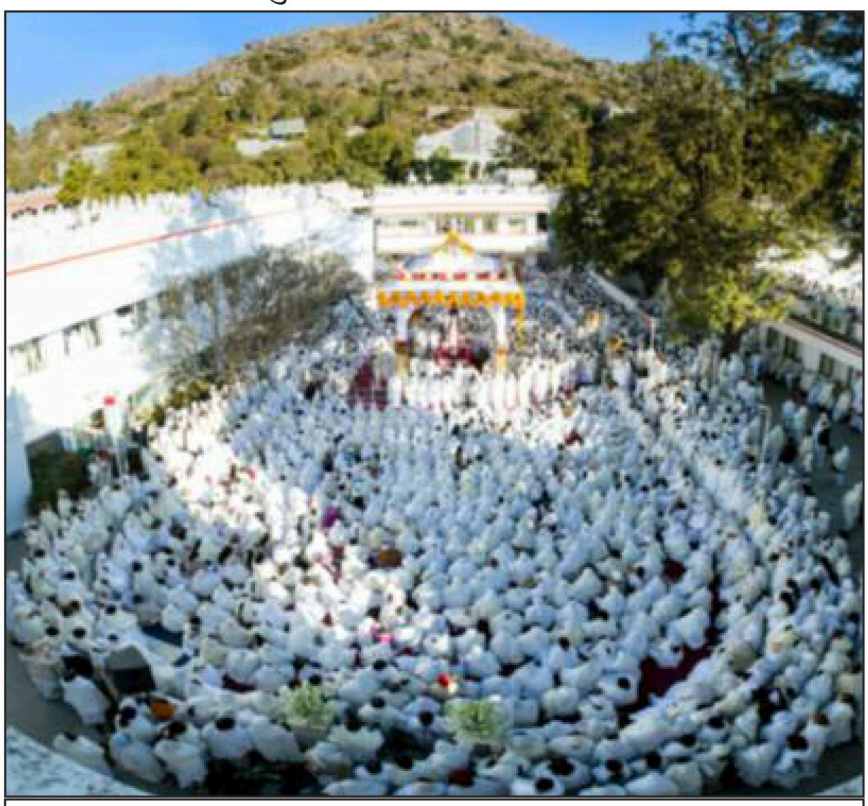

माउण्ट आबू। शान्ति स्थल पर मडिटेशन करते हुए आगंतुक।

मुख्यालय में प्रजापिता ब्रह्मा की तपस्या स्थली पर चार धाम में शान्ति स्तम्भ, बाबा का कमरा, बाबा की झोंपड़ी तथा हिस्ट्री हॉल पर जाकर उनका संस्मरण किया गया। देश-विदेश से आए हुए सभी आगंतुकों ने भी कतारबद्ध होकर बारी-बारी से चारों स्थलों पर विश्व शान्ति के लिए शुभकामनाएं दी। 18 जनवरी की सुबह कड़कड़ाती ठंडी के मध्य, सभी ने राजयोग मेडिटेशन करना आरम्भ कर दिया। जैसे कि मधुबन सारे विश्व में शान्ति के प्रकंपन का केन्द्र बिन्दु बन गया हो ऐसा आभास हो रहा था।

असमानता को दूर करने के लिए मानवता का दीप जलाएं – दादी जानकी

शांतिवन। आज ज़रूरी है कि हम मानवता को प्राथमिकता देते हुए अपने अन्दर मूल्यों का विकास करें। भाईचारा और सद्भाव ही एक ऐसा तंतु है जो मनुष्यता को बांधे रखता है। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने पूरी दुनिया में यह पैगाम दिया कि बिना मानवता का दीप जलाये सद्भावना नहीं आ सकती। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने शांतिवन में आयोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बाबा ने जो आत्मीयता का बीज बोया वह आज वट वृक्ष का रूप ले चुका है। आज लाखों लोगों ने अपनी ज़िन्दगी में सकारात्मक बदलाव लाये हैं। इससे निश्चित तौर पर समाज में बदलाव आयेगा और लोग नयी दुनिया बनाने में कामयाब होंगे।

पेज 11 पर शेष

शान्तिवन। प्रजापिता ब्रह्मा के स्मृति दिवस पर दादी जानकी डायमण्ड हॉल में सभा को सम्बोधित करते हुए।